आईपीयू की 141वीं बैठक में भाग ले रहे भारतीय शिष्टमंडल के सम्मान में सर्बिया (बेलग्रेड) में भारत के राजदूत द्वारा दिए जाने वाले रात्रि भोज

13 से 17 अक्तूबर, 2019

ऐतिहासिक 'व्हाइट सिटी' बेलग्रेड में आज यहां आना मेरे और भारतीय संसदीय शिष्टमंडल के सदस्यों के लिए गौरव और सम्मान की बात है। बेलग्रेड में हमारे आगमन के बाद हमारे राजदूत श्री एस.भट्टाचार्जी और उनके सहयोगियों द्वारा हमें दिए गए हार्दिक सम्मान और स्नेह को देखकर हम अत्यधिक भावुक हैं। हमारे प्रति व्यक्त की गई भावनाओं के लिए हम सर्बिया में रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों का भी आभार व्यक्त करते हैं। अपने साथी संसद सदस्यों और अपनी ओर से मैं इस अवसर पर भारत की जनता और भारतीय संसद की ओर से यहां मौजूद भारतीय समुदाय के प्रति अपना हार्दिक स्नेह, शुभकामनाएं तथा सद्भावना व्यक्त करता हूं। इस सुखद संध्या के लिए मैं आप सभी का धन्यवाद करता हूं।

मित्रो, आप सभी जानते हैं कि गुट-निरपेक्ष आंदोलन के सह-संस्थापक सदस्यों के रूप में भारत और युगोस्लाविया के बीच परंपरागत रूप से मैत्रीपूर्ण संबंध रहे हैं। मित्रता का यह गहरा संबंध बाद के दशकों में भी कायम रहा जिसके फलस्वरूप भारत और सर्बिया के बीच घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध रहे हैं। भारत और सर्बिया के बीच इन पारंपरिक संबंधों के कारण हमारी जनता के लिए एक दूसरे से जुड़ना, एक दूसरे के निकट आना, एक साथ कार्य करना तथा एक दूसरे से लाभान्वित होना आसान हो गया है।

भारत और सर्बिया के बीच अंतर्राष्ट्रीय, बहुपक्षीय और क्षेत्रीय मामलों में महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्रीय मुद्दों पर सहमति के साथ परस्पर तालमेल और सौहार्दपूर्ण संबंध हैं। हम न्यूक्लियर सप्लायर्स ग्रुप (एनएसजी) में भारत की सदस्यता, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी और अस्थायी सदस्यता के अतिरिक्त विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और बहुपक्षीय मंचों पर भारत की उम्मीदवारी पर भारत को मिले सर्बिया के समर्थन तथा आतंकवाद के प्रति भारत के संघर्ष में सर्बियाई नेतृत्व के सहयोग की सराहना करते हैं। सर्बिया के अनुरोध पर भारत ने तकनीकी और वैज्ञानिक प्रकृति की विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं में कोसोवो की सदस्यता का सदैव विरोध किया है। हमारे संबंधों का, विशेषकर व्यापार और निवेश के साथ-साथ आर्थिक क्षेत्र में और अधिक विस्तार किए जाने एवं इन्हें नए आयाम दिए जाने की अपार संभावनाएं हैं।

सर्बिया सांस्कृतिक रूप से समृद्ध देश है और सर्बिया के लोग आपसी संपर्क को महत्व देते हैं। मुझे प्रसन्नता है कि यहां हमारा मिशन योग, आयुर्वेद और होम्योपैथी तथा फिल्मों, खेल के क्षेत्र में सहयोग और पर्यटन को प्रोत्साहन देने के साथ ही अन्य क्षेत्रों में भी सहयोग के माध्यम से सांस्कृतिक राजनय को और ऊंचे स्तर तक ले जाने के लिए कई कदम उठा रहा है।

मैं चाहता हूं कि सर्बिया के अधिकारी लोकतांत्रिक संसदीय शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड), जिसका नाम पहले बीपीएसटी था, के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेते रहें। यह संस्था 1976 में अपने स्थापना काल से ही समय-समय पर सांसदों और संसदीय कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित करता आया है।

'प्राइड' विदेशी सांसदों और संसदीय कर्मचारियों हेतु अध्ययन दौरे, सहयोजन, विशेष रूप से तैयार किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रमों, आदि की व्यवस्था करता है। प्रति वर्ष इसके दो प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों अर्थात् 'संसदीय प्रशिक्षु कार्यक्रम और विधायी प्रारूपण में अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम' में सर्बिया सहित पूर्वी यूरोपीय क्षेत्र के कई देशों से बड़ी संख्या में प्रतिभागी आते हैं।

अपने शिष्टमंडल की ओर से और अपनी ओर से मैं यहां हमारे राजदूत को और मिशन के अन्य सदस्यों को शुभकामनाएं देता हूं। मुझे विश्वास है कि आपके कठिन परिश्रम से भारत और सर्बिया के बीच संबंधों को और अधिक सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी।